21 जुलाई, 2024

पिन्तेकुस्त के बाद नौवाँ रविवार

विषय: परमेश्वर की चँगाई से भरी दया की गवाही देना

भजन संहिता 71:14-23

2 राजा 5:9-19अ

प्रेरितों के काम 9:17-22

मरकुस 5:1-20

सुप्रभात, प्रिय कलीसिया। आज, हम एक गहन विषय पर मनन करने के लिए एकत्र हुए हैं: "परमेश्वर की चँगाई से भरी दया की गवाही देना।" चँगाई और दया परमेश्वर के स्वभाव के मूल में हैं, और मसीह के अनुयायियों के रूप में, हमें इन ईश्वरीय गुणों की गवाही देने के लिए बुलाया गया है। आज के वचन हमें परमेश्वर की चँगाई से भरी दया को समझने में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे, कि वह इस दया को दुनिया तक कैसे फैलाता है, और हमें इसके प्रति कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए और इस संदेश को दूसरों के साथ कैसे साझा करना चाहिए। आइए हम अपने मनों को परमेश्वर के वचन की परिवर्तन करने वाली सामर्थ्य के लिए खोलें।

1. परमेश्वर की चँगाई देने वाली दया: भजन संहिता 71:14-23

भजन 71 परमेश्वर की विश्वासयोग्यता और दया का एक शक्तिशाली प्रमाण है। भजनकार घोषणा करता है कि:

"मैं अपने मुँह से तेरे धर्म का, और तेरे किए हुए उद्धार का वर्णन दिन भर करता रहूँगा, क्योंकि उनका पूरा ब्योरा मेरी समझ से परे है। मैं प्रभु यहोवा के पराक्रम के कामों का वर्णन करता हुआ आऊँगा, मैं केवल तेरे ही धर्म की चर्चा किया करूँगा। हे परमेश्वर, तू तो मुझ को बचपन ही से सिखाता आया है, और अब तक मैं तेरे आश्चर्यकर्मों का प्रचार करता आया हूँ। इसलिये हे परमेश्वर, जब मैं बूढ़ा हो गया, और मेरे बाल पक गए, तब भी तू मुझे न छोड़, जब तक मैं आनेवाली पीढ़ी के लोगों को तेरा बाहुबल और सब उत्पन्न होनेवालों को तेरा पराक्रम न सुनाऊँ। हे परमेश्वर, तेरा धर्म अति महान् है। तू जिस ने महाकार्य किए हैं, हे परमेश्वर, तेरे तुल्य कौन है? तू ने तो हम को बहुत से कठिन कष्ट दिखाए हैं, परन्तु अब तू फिर से हम को जिलाएगा; और पृथ्वी के गहिरे गड्ढे में से उबार लेगा। तू मेरे सम्मान को बढ़ाएगा, और फिरकर मुझे शान्ति देगा। हे मेरे परमेश्वर, मैं भी तेरी सच्चाई का धन्यवाद सारंगी बजाकर गाऊँगा; हे इस्राएल के पवित्र, मैं वीणा

बजाकर तेरा भजन गाऊँगा। जब मैं तेरा भजन गाऊँगा, तब अपने मुँह से और अपने प्राण से भी, जो तू ने बचा लिया है, जयजयकार करूँगा।"

यह भजन परमेश्वर की चँगाई देने वाली दया की हृदय को छू जाने वाली घोषणा है। भजन लिखने वाला स्वीकार करता है कि कई परेशानियों का सामना करने के बावजूद, परमेश्वर उसके प्रति विश्वासयोग्य और दयालु रहा है, और उसे बार-बार उसे बहाल और चँगा करता रहा है। परमेश्वर की चँगाई से भरी दया केवल एक बार होने वाला कार्य नहीं है, वरन् यह बहाली और नया करते रहने की एक चलते रहने वाली प्रक्रिया है। यह अनुच्छेद हमें हमेशा आशा रखने और परमेश्वर के महान कार्यों के लिए उसकी स्तुति करने, और दूसरों के साथ उसकी चँगाई से भरी दया की गवाही साझा करने के लिए उत्साहित करता है।

2. संसार के प्रति परमेश्वर की दया: 2 राजा 5:9-19अ

2 राजा 5 में नामान की कहानी दिखाती है कि परमेश्वर की दया एक परदेशी के प्रति इस्राएल की सीमाओं से परे तक फैली हुई है। अराम के राजा की सेना का सेनापति नामान कोढ़ से पीड़ित था। वह चँगाई पाने के लिए इस्राएल के भविष्यद्वक्ता एलीशा के पास आता है। एलीशा उसे यरदन नदी में सात बार डुबकी लगाने का निर्देश देता है, और नामान को कोढ़ से चँगाई मिल जाती है। फिर वह एलीशा के पास लौटता है और यह घोषणा करता है:

"सुन, अब मैं ने जान लिया है कि समस्त पृथ्वी में इस्राएल को छोड़ और कहीं परमेश्वर नहीं है।"

नामान का चँगा होना ईश्वर की दया की वाचा है, जिसकी कोई सीमा नहीं है। वह यह दिखाती है कि परमेश्वर की चँगाई की सामर्थ्य सभी के लिए उपलब्ध है, फिर चाहे उनकी राष्ट्रीयता या हालात कुछ भी क्यों न हो। यह कहानी हमें याद दिलाती है कि परमेश्वर की दया सभी के लिए और दूर तक फैली हुई है। यह हमें उन तरीकों को पहचानने और उनका उत्सव मनाने के लिए बताती है, जिनसे परमेश्वर की चँगाई से भरी दया पूरे संसार के लोगों के जीवन को छू लेती है, पर अक्सर आशा से परे और आश्चर्यजनक तरीकों से।

3. चँगाई से भरी दया संबंधी ईश-विज्ञान: प्रेरितों के काम 9:17-22

नये नियम में, हम शाऊल के जीवन में परमेश्वर की चँगाई देने वाली दया की परिवर्तन करने वाली सामर्थ्य को देखते हैं, जो आगे चलकर प्रेरित पौलुस बना। प्रेरितों के काम 9:17-22 में, यीशु के एक चेले हनन्याह को प्रभु द्वारा शाऊल के पास जाने का निर्देश दिया जाता है, जो दमिश्क के मार्ग पर अंधा हो गया है। हनन्याह शाऊल पर हाथ रखता है, और वह चँगाई पाता है:

"हनन्याह उठकर उस घर में गया, और उस पर अपना हाथ रखकर कहा, “हे भाई शाऊल, प्रभु, अर्थात् यीशु, जो उस रास्ते में, जिससे तू आया तुझे दिखाई दिया था, उसी ने मुझे भेजा है कि तू फिर दृष्टि पाए और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाए।” और तुरन्त उसकी आँखों से छिलके–से गिरे और वह देखने लगा, और उठकर बपतिस्मा लिया; फिर भोजन करके बल पाया।"

शाऊल की चँगाई मात्र शारीरिक ही नहीं है, वरन् आत्मिक भी है। वह पवित्र आत्मा से भर जाता है और यीशु के विषय में प्रचार करना शुरू कर देता है, जिससे वे लोग आश्चर्यचकित हो जाते हैं, जो मसीहियों पर उसके द्वारा किए गए पिछले सतावों के बारे में जानते थे। यह नाटकीय परिवर्तन परमेश्वर की चँगाई से भरी दया की गहराई को दिखाता है, जो न केवल शरीर के स्वास्थ्य को बहाल करता है, वरन् मन दिल और दिमाग को भी नया बना देता है। चँगाई से भरी दया का ईश-विज्ञान हमें सिखाता है कि परमेश्वर का अनुग्रह सबसे अधिक अनिश्चित लोगों को छुटकारा दिला सकता है और उन्हें बदल सकता है, जिससे वे उसके प्रेम और दया के सामर्थी गवाह बन सकते हैं।

4. चँगाई की गवाही देना: मरकुस 5:1-20

मरकुस के सुसमाचार में यीशु द्वारा गिरासेनियों के देश में एक दुष्टात्मा से ग्रसित व्यक्ति को चँगा करने की कहानी प्रस्तुत की गई है। यह व्यक्ति कब्रों के बीच, पीड़ा में और अलग-थलग रह करता था। यीशु ने उसमें से दुष्टात्माओं को बाहर निकाला, और वह व्यक्ति अपने-आपे में आ गया। मरकुस 5:18-20 में, हम उस व्यक्ति की प्रतिक्रिया कुछ ऐसे देखते हैं:

"जब वह नाव पर चढ़ने लगा तो वह जिसमें पहले दुष्टात्माएँ थीं, उससे विनती करने लगा, “मुझे अपने साथ रहने दे।” परन्तु उसने उसे आज्ञा न दी, और उससे कहा, “अपने घर जाकर अपने लोगों को बता कि तुझ पर दया करके प्रभु ने तेरे लिये कैसे बड़े काम किए हैं।” वह जाकर दिकापुलिस में इस बात का प्रचार करने लगा कि यीशु ने मेरे लिये कैसे बड़े काम किए; और सब लोग अचम्भा करते थे।"

यह अनुच्छेद परमेश्वर की चँगाई देने वाली दया की गवाही देने के महत्व पर प्रकाश डालता है। उस व्यक्ति का जीवन भीतर से बदल जाता है, और यीशु उसे दूसरों के साथ अपनी गवाही साझा करने का निर्देश देता है। उस व्यक्ति की कहानी परमेश्वर की दया और यीशु की बदल देने वाली सामर्थ्य की एक शक्तिशाली गवाही बन जाती है। हमें भी परमेश्वर की चँगाई से भरी दया के अपने अनुभवों को साझा करने, उसकी भलाई की घोषणा करने और दूसरों को उसकी बहाल करने वाली सामर्थ्य की खोज करके प्रोत्साहित करने के लिए बुलाया गया है।

गवाही देना: कलीसिया की जिम्मेदारी है

परमेश्वर की चँगाई से भरी दया की गवाही देना मात्र एक निजी जिम्मेदारी नहीं है, वरन् यह कलीसिया के लिए एक सामूहिक आदेश है। मसीह की देह के रूप में, हमें परमेश्वर के प्रेम, अनुग्रह और दया की जीवित गवाही बनने के लिए बुलाया गया है। इस जिम्मेदारी में कई प्रमुख पहलू शामिल हैं:

1. **सुसमाचार का प्रचार करना:** कलीसिया को उपदेश, शिक्षा और सुसमाचार-प्रचार के माध्यम से उद्धार और परमेश्वर की चँगाई से भरी दया का संदेश सक्रिय रूप से साझा करना चाहिए। ठीक उसी तरह से, जिस तरह से प्रेरितों के काम में आरम्भिक मसीहियों ने सताव के बावजूद हियाव से भरकर सुसमाचार का प्रचार किया था, वैसे ही हमें भी संसार के हर एक कोने तक यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए बुलाया गया है।

2. **अपने विश्वास के जीवन को जीना:** हमारे जीवन में परमेश्वर की दया की बदल देने वाली सामर्थ्य दिखाई देनी चाहिए। हम अपने दैनिक व्यवहार में मसीह के प्रेम, करुणा और क्षमा को अपनाकर, उसकी चँगाई से भरे कार्य की जीवित गवाह बन जाते हैं। इसका अर्थ है कि दया दिखाना, दूसरों की सेवा करना और अपने समुदायों में मेल-मिलाप और शांति के प्रतिनिधि बनना।

3. **एक दूसरे की सहायता करना:** कलीसिया विश्वासियों का एक ऐसा समाज है, जो विश्वास में एक-दूसरे की सहायता करते और एक-दूसरे को उत्साहित देते हैं। एक-दूसरे के लिए प्रार्थना करके, परमेश्वर की चँगाई की गवाही साझा करके और आवश्यकता में पड़े हुओं को व्यावहारिक सहायता देकर, हम परमेश्वर की दया की छू लेने वाली उपस्थिति को दिखाते हैं। जैसा कि प्रेरितों के काम 4:23-31 में दिखाया गया है, आरंभिक कलीसिया प्रार्थना और एकता में एक साथ इकट्ठा हुई, जिसने उनकी गवाही को सामर्थी बना किया और उन्हें अपनी सुसमाचार-प्रचार संबंधी सेवकाई को जारी रखने के लिए सशक्त बनाया।

4. **दया से भरे कामों में लगे रहना:** यीशु के नमूने के पीछे चलते हुए, कलीसिया को दया के कामों में लगे रहना चाहिए, जैसे कि बीमारों की देखभाल करना, भूखों को भोजन खिलाना और न्याय के लिए आवाज उठाना। ये कार्य न केवल तत्काल आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, वरन् परमेश्वर की दया से भरे हृदय की गवाही भी देते हैं। पूरे संसार में यीशु के हाथ और पाँव बनकर, हम व्यावहारिक और प्रभावशाली तरीकों से उसकी चँगाई से भरी दया की गवाही देते हैं।

निष्कर्ष

प्रियों, जब हम इन वचनों पर मनन करते हैं, तो हमें एक स्पष्ट संदेश मिलता है: परमेश्वर की चँगाई से भरी दया विशाल, सभी के लिए और बदल देने वाली है। यह हमारी आवश्यकता के समय में हमारे पास उपलब्ध है, हमें बहाल करती और नया बना देती है। यह हमारी सीमाओं से परे तक चली जाती है, यह आश्चर्यजनक तरीकों से जीवन को छू लेती है। और यह हमें उसकी दया की गवाही देने, दूसरों के साथ अपनी गवाही साझा करने के लिए बुलाती है।

प्रार्थना

हे स्वर्गीय पिता, हम आपकी चँगाई से भरी दया के लिए आपका धन्यवाद करते हैं, जो हमें बहाल करती और नया बना देती है। हमें उन तरीकों को पहचानने और उनका उत्सव मनाने में मदद करें, जिनसे आप हमारे जीवन और हमारे आस-पास के लोगों के जीवन को छूते हैं। हमें आपकी भलाई और दया की गवाही साझा करने का हियाव प्रदान करें, ताकि हम पूरे संसार के सामने आपके प्रेम की घोषणा कर सकें। हे प्रभु, हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं, जिन्हें आज आपके चँगाई से भरे स्पर्श की आवश्यकता है। अपनी उपस्थिति से उन्हें तसल्ली दें और उन्हें बहाल कर और शांति प्रदान कर। हमें अपने पवित्र आत्मा से भर दें, ताकि हम आपकी चँगाई से भरी दया के प्रति विश्वसयोग्य बन सकें और सभी को आपके सामर्थी कामों की घोषणा कर सकें। हम इस प्रार्थना को हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम में माँगते हैं। आमीन।

(विवारिये उपदेश - द रेव्ह. डा. डी.जे अजित कुमार, जनरल सेक्रेटरी, सी.एन.आई, सिनेड
(हिंदी अनुवाद - द रेव्ह. जितेन्द्र जीत सिंह - करनाल, हरियाणा)